

ग्राम मोगरा में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, वन विभाग की तत्परता से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस बाग

धार। जिले के बाग वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन बीट खेडली के ग्राम मोगरा में पिछले कई दिनों से दहशत का पर्याय बने तेंदुए को वन विभाग की टीम ने सतर्कता एवं सूझबूझ से पिंजरे में सुरक्षित पकड़ लिया। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। 19 नवंबर को तेंदुए ने ग्राम मोगरा में एक बकरी पर हमला किया था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 25 नवंबर को ड्रोन से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। वहीं, 24 नवंबर को लगाए गए पिंजरे में 26 नवंबर को तेंदुआ कैद हो गया। क्षेत्र में वनकर्मियों की तैनाती कर लगातार निगरानी एवं सघन गश्त की जा रही है एवं तेंदुए के पकड़े जाने के बाद वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को पिंजरे के आसपास भीड़ नहीं लगाने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की समझाइश दी गई। वन विभाग के अनुसार, सक्षम अधिकारियों की अनुमति एवं निर्धारित प्रक्रिया के तहत तेंदुए को पकड़ने के बाद वहां से लगभग 30 से 40 किलोमीटर दूर उपयुक्त घने वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ा जाएगा। वनमंडलाधिकारी धार श्री विजयानंथम टी.आर. के निर्देशानुसार चलाए गए इस रेस्क्यू ऑपरेशन में एसडीओ सरदारपुर श्रीमती सरिता ठाकुर, वन परिक्षेत्राधिकारी बाग श्री गौरव एवं बाग परिक्षेत्र के मैदानी वन कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग की सतत् एवं समन्वित प्रयासों से यह कार्रवाई सफलतापर्वक संपन्न हुई।

ग्राम पंचायत दसाई में उप निर्वाचन के मतदान दिवस 4 दिसंबर को रहेगा स्थानीय अवकाश

धार। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजीव रंजन मीना द्वारा मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल के निर्देशों के परिपालन में त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2026 (पूर्वार्द्ध) के अंतर्गत जनपद पंचायत सरदारपुर की ग्राम पंचायत दसाई में मतदान दिवस 4 दिसंबर 2026 (शुक्रवार) को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में निवास करने वाले शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं शासकीय निगमों के अधिकारी-कर्मचारियों को मतदान की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से यह अवकाश घोषित किया गया है। मतदान दिवस पर संबंधित क्षेत्र के लिए सामान्य अवकाश के साथ परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 की धारा 25 के अंतर्गत भी सार्वजनिक अवकाश रहेगा। कलेक्टर श्री मीना ने जारी आदेश को तत्काल प्रभावशील किया है। 'फिट इंडिया मूवमेंट'' 29 नवंबर को पूरे भारत में ''संडेज़ ऑन साइकिल'' के भव्य 100वें संस्करण का आयोजन करेगा

ओलंपिक मूल्यों का जश्न मनाने के लिए देश भर की 100 प्रमुख जगहों पर लोग एक साथ साइकिल चलाएंगे

धार ! युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS), ''फिट इंडिया मूवमेंट'', भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) इस रविवार, 29 नवंबर 2026 को एक साथ मिलकर 'संडेज़ ऑन साइकिल' (SOC) के ऐतिहासिक 100वें संस्करण का जश्न मनाएंगे। इस खास संस्करण का नेतृत्व युवा मामले और खेल तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया मुंबई के गिरगांव चौपाटी से करेंगे। उनके साथ देश भर की 100 प्रमुख जगहों (जिनमें मध्य प्रदेश का धार भी शामिल है) से मशहूर हस्तियां, खेल जगत के दिग्गज और फिटनेस के हजारों शौकीन लोग जुड़ेंगे। यह जश्न देश के हर जिले में मनाया जाएगा, जहां सभी मिलकर भारतीय ओलंपिक आंदोलन के समर्थन में अभियान चलाएंगे। SOC का 100वां संस्करण ओलंपिक के मुख्य मूल्यों - उत्कृष्टता (E&cellence), सम्मान (Respect) और मित्रता (Friendship) को समर्पित है। इसकी थीम है - ''भारत के ओलंपिक सपने की ओर पैडलिंग (Pedalling Towards IndiaÓs Olympic Dream) '। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की खेल उत्कृष्टता का जश्न मनाना, एक फिट भारत का निर्माण करना और भविष्य में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के भारत के सपने को और मजबूत करना है। ''फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल'' की शुरुआत दिसंबर 2024 में युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के मार्गदर्शन में हुई थी। अब यह एक साप्ताहिक कार्यक्रम बन गया है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ''फिटनेस का डोज़, आधा घंटा रोज़'' और ''मोटापे के खिलाफ लड़ाई'' के विज़न को बढ़ावा देता है। यह पहल न केवल फिटनेस और सस्टेनेबिलिटी (स्थिरता) को बढ़ावा देती है, बल्कि शहरों, कस्बों और गांवों के लोगों को एक साथ लाकर उन्हें साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करती है। 100वां संस्करण इस सफर में एक बड़ा मील का पत्थर है, जो हर उम्र के नागरिकों को स्वास्थ्य के लिए, भारत के लिए और ओलंपिक सपने के लिए एक साथ साइकिल चलाने के लिए एकजुट करता है। केंद्र प्रभारी भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केंद्र जेतपुरा धार श्री नरेश कुमार भावसार ने बताया कि यह कार्यक्रम सुबह 8.00 बजे ख्रुद्ध स्ख्रष्ट धार, जैतपुरा में शुरू होगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे सुबह 07.30 बजे तक वहां पहुंच जाएं। सुबह के समय एक बड़ी साइकिल रैली, फिटनेस गतिविधियां और खेल जगत की मशहूर हस्तियों तथा खेल प्रेमियों के साथ बातचीत का आयोजन होगा। ''फिट इंडिया मूवमेंट'' सभी नागरिकों को इस साइकिल रैली में शामिल होने और इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है।

सूखे के दौर में किसानों और ग्रामीणों के लिए बड़ी सौगात, नर्मदा का पवित्र जल नगर तक पहुँचने पर ग्रामीणों में छाई खुशी

पुण्य सलिला माँ नर्मदा के कलकल बहते जल ने किया अमझेरा नगर में प्रवेश





अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर। यह किसी सपने के साकार होने से कम नहीं है कि सूखे के इस दौर में पुण्य सलिला माँ नर्मदा का पवित्र जल अब अमझेरा नगर तक पहुँच गया है। नर्मदा-माही लिंक परियोजना के अंतर्गत माँ नर्मदा का पानी गुरुवार को ग्राम मिण्डा से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए अमझेरा के नृसिंह दरवाजा के समीप पहुँचा। वर्षों से इस पल की प्रतीक्षा कर रहे किसानों एवं ग्रामीणजनों के लिए यह दृश्य बेहद सुखद और उत्साहजनक रहा। जैसे ही कलकल की ध्वनि के साथ नर्मदा का जल अमझेरा की धरती पर पहुँचा, क्षेत्रवासियों में हर्ष और उत्साह की लहर दौड़ गई।

गौरतलब है कि वर्तमान समय में क्षेत्र के किसान एवं ग्रामीणजन पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में नर्मदा का पानी अमझेरा तक पहुँचना किसी बड़ी उपलब्धि और सौगात से कम नहीं है। इस ऐतिहासिक पल को देखने के लिए क्षेत्र के किसानों एवं नागरिकों में विशेष उत्साह नजर आया। इस अवसर पर किसान मुरली कुशवाह, अर्पित शर्मा, राजू मोदी सहित अन्य ग्रामीणजनों ने माँ नर्मदा के पवित्र जल का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर स्वागत किया तथा क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि एवं अच्छी फसल की कामना की। इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमल यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि नर्मदा-माही लिंक परियोजना के माध्यम से माँ नर्मदा का जल अमझेरा तक पहुँचने से क्षेत्र में जल उपलब्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही माँ नर्मदा के जल से अमझेरा के तालाब को भरने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल माता अमका-झमका तीर्थ तक भी नर्मदा का पानी पहुँचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे ही यह कार्य पूर्ण होगा वैसे ही यहाँ के धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र के पर्यावरण एवं जल संरक्षण को भी विशेष लाभ मिलेगा। नर्मदा का जल अमझेरा पहुँचने की खबर मिलते ही नगर के जनप्रतिनिधियों, किसानों एवं आम नागरिकों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर रवि पाठक, निलांबर शर्मा, भगवानदास खंडेलवाल, शुभम दीक्षित, विजय दीक्षित, पप्पू कुशवाह, विजयकुमार शर्मा सहित अनेक नागरिकों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास और खुशहाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।क्षेत्र में सिंचाई एवं पेयजल की उपलब्धता हमेशा से एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। विशेषकर कम वर्षा एवं सूखे जैसी परिस्थितियों में किसानों को अपनी फसलों और पशुधन के लिए पानी की व्यवस्था करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में नर्मदा-माही लिंक परियोजना से क्षेत्र को पानी उपलब्ध होने की उम्मीद ने किसानों के चेहरों पर नई मुस्कान ला दी है। नर्मदा का जल यदि योजनानुसार क्षेत्र के तालाबों एवं अन्य जलस्रोतों तक पहुँचता है तो इससे भूजल स्तर में सुधार, सिंचाई की संभावनाओं में वृद्धि तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है।माँ नर्मदा का पवित्र जल अमझेरा नगर की सीमा तक पहुँचना केवल पानी का पहुँचना नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई आशा का संचार है। इस उपलब्धि से लोगों में विश्वास जगा है कि आने वाले समय में क्षेत्र की जल संबंधी समस्याओं का समाधान होगा और अमझेरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को इसका लाभ मिलेगा।गुरुवार का दिन अमझेरा के लिए निश्चित ही एक यादगार दिन बन गया, जब पुण्य सलिला माँ नर्मदा का कलकल बहता जल नगर तक पहुँचा और क्षेत्रवासियों ने इस ऐतिहासिक क्षण का स्वागत करते हुए माँ नर्मदा के प्रति अपनी श्रद्धा एवं आभार व्यक्त किया।



ग्राम मोगरा में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, वन विभाग की तत्परता से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

धार। जिले के बाग वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन बीट खेडली के ग्राम मोगरा में पिछले कई दिनों से दहशत का पर्याय बने तेंदुए को वन विभाग की टीम ने सतर्कता एवं सूझबूझ से पिंजरे में सुरक्षित पकड़ लिया। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। 19 नवंबर को तेंदुए ने ग्राम मोगरा में एक बकरी पर हमला किया था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 25 नवंबर को ड्रोन से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। वहीं, 24 नवंबर को लगाए गए पिंजरे में 26 नवंबर को तेंदुआ कैद हो गया। क्षेत्र में वनकर्मियों की तैनाती कर लगातार निगरानी एवं सघन गश्त की जा रही है एवं तेंदुए के पकड़े जाने के बाद वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को पिंजरे के आसपास भीड़ नहीं लगाने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की समझाइश दी गई। वन विभाग के अनुसार, सक्षम अधिकारियों की अनुमति एवं निर्धारित प्रक्रिया के तहत तेंदुए को पकड़ने के बाद वहां से लगभग 30 से 40 किलोमीटर दूर उपयुक्त घने वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ा जाएगा। वनमंडलाधिकारी धार श्री विजयानंथम टी.आर. के निर्देशानुसार चलाए गए इस रेस्क्यू ऑपरेशन में एसडीओ सरदारपुर श्रीमती सरिता ठाकुर, वन परिक्षेत्राधिकारी बाग श्री गौरव एवं बाग परिक्षेत्र के मैदानी वन कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग की सतत् एवं समन्वित प्रयासों से यह कार्रवाई सफलतापर्वक संपन्न हुई।

धार ने खंडवा को पछाड़कर फाइनल में बनाई जगह, अब खरगोन से खिताबी भिड़ंत

धार। अंतर जिला सीनियर लेदर बॉल क्रिकेट स्पर्धा के सेमीफाइनल मुकाबले में धार की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खंडवा को पहली पारी की बढ़त के आधार पर शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। धार की इस जीत में बल्लेबाज वंश जोशी और गेंदबाज सुंदर धाकड़ ने अहम भूमिका निभाई। अब खिताबी मुकाबले में धार का सामना खरगोन की टीम से होगा। संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला क्रिकेट एसोसिएशन खरगोन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता इंदौर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के निर्देशानुसार खेली जा रही है। सेमीफाइनल मुकाबले में खंडवा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। खंडवा की टीम ने पहली पारी में 189 रन बनाए। टीम की ओर से जसपाल सिंह ने सर्वाधिक 69 रन की पारी खेली। वहीं धार के गेंदबाज सुंदर धाकड़ ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट हासिल कर खंडवा की बल्लेबाजी को बड़ा झटका दिया। इसके जवाब में धार की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 215 रन बनाए और 26 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। धार की ओर से वंश जोशी ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 83 रन बनाए। दूसरी पारी में खंडवा की चुनौती के बीच धार ने 4 विकेट के नुकसान पर 101 रन बनाए। इसमें आयुष जायसवाल ने 33 रन और वंश जोशी ने 28 रन का योगदान दिया। इस तरह धार ने पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर मुकाबला अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। मैच में शानदार बल्लेबाजी के लिए वंश जोशी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सेमीफाइनल में जीत के साथ ही धार की टीम ने प्रतियोगिता के फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। अब फाइनल में धार और खरगोन की टीमों के बीच खिताब के लिए मुकाबला होगा। खिलाड़ियों के प्रदर्शन से क्रिकेट प्रेमियों में भी उत्साह का माहौल है।

पाइपलाइन और वाल्व से छेड़छाड़ न करें, कार्रवाई की चेतावनी: कलेक्टर-एसपी ने की ग्रामीणों से चर्चा; बोले-परियोजना सभी के फायदे के लिए

बाग : धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने शुक्रवार को बाग ब्लॉक की गेटा और पाडलिया पंचायतों में ग्रामीणों से बात की। उन्होंने सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन, एयर वाल्व और दूसरे उपकरणों से छेड़छाड़ न करने की चेतावनी दी और कहा कि परियोजना सभी के फायदे के लिए हैं। नर्मदा-झाबुआ माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन और एयर वाल्व खोलने या तोड़फोड़ करने की घटनाओं के कारण पानी सरदारपुर के आगे के गांवों तक नहीं पहुंच पा रहा है। बाग-टांडा इलाके में भी पाइपलाइन के वाल्व खोलने की घटनाएं हुई हैं। कलेक्टर ने गेटा और पाडलिया गांवों में ग्रामीणों से कहा कि सिंचाई परियोजना सभी के फायदे के लिए है। उन्होंने कहा कि बड़ी परियोजनाएं इलाके के सभी लोगों की सहमति से लागू होती हैं। खेत में पाइपलाइन से छोड़छाड़ नहीं करें उन्होंने कहा कि पाइपलाइन खेत से गुजरने का मतलब यह नहीं है कि उसके वाल्व या दूसरे उपकरणों से छेड़छाड़ की जाए। पहले तय गांवों तक पानी पहुंचने दें, इसके बाद इस इलाके में भी तय समय के अनुसार पानी दिया जाएगा।इससे आगे के सैकड़ों गांवों तक पानी पहुंचने में रुकावट आती है। कलेक्टर ने कहा कि इस इलाके में पानी देने के लिए एसडीएम और सरपंच मिलकर समय-सारिणी बनाएं। उन्होंने ग्रामीणों से परियोजना के उपकरणों को नुकसान न पहुंचाने को कहा।





24 अक्टूबर को लोकार्पण किया था- मुख्यमंत्री ने 24 अक्टूबर को 2,387 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया था। मेघनाथघाट-चंदनखेड़ी से नर्मदा का पानी सरदारपुर के 66 और झाबुआ जिले के 194 गांवों के किसानों तक पहुंचाया जाना है।परियोजना की पाइपलाइन में कई जगह लीकेज है। रास्ते में किसानों के वाल्व खोलने और तोड़फोड़ करने से पानी आगे नहीं पहुंच पा रहा है।

पहले पीने के पानी को प्राथमिकता- कलेक्टर मीना ने कहा कि कम बारिश के कारण उपलब्ध पानी का सही इस्तेमाल जरूरी है। सीमित जलस्रोतों में पहले पीने के पानी को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रामीण इलाकों में कपिलधारा कूप और निर्मल नीर कुएं खोदने की मंजूरी भी दी जा रही है। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान एसडीएम आशीष अशोक पाटिल, पाडलियां पंचायत के सरपंच जामसिंह बघेल, गेटा सरपंच विक्रम भाई, भाजपा नेता सुरेश सिसोदिया, श्याम उस्ताद, दीतूसिंह पटेल, महेश मोरी बी ई ओ डी एस बघेल, बी आर सी धर्मेंद्र ठाकुर भी उपस्थित रहे।

66 गांवों में सिंचाई का पानी नहीं पहुंचने पर किसानों का आक्रोश, बेड़ियां पहनकर कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान नेता

धार। सरदारपुर क्षेत्र के 66 गांवों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के दावों के बावजूद खेतों तक पानी नहीं पहुंचने से किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सिंचाई परियोजना के उद्घाटन को एक माह बीतने के बाद भी नहरों में पानी नहीं छोड़े जाने से किसानों की गेहूं की फसल संकट में आ गई है। प्रशासन के आश्वासन पर बुवाई करने वाले किसान अब खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राकेश सोलंकी निवासी राजगढ़ (सरदारपुर) अपने समर्थकों के साथ गले में लोहे की बेड़ियां पहनकर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने इस अनूठे विरोध प्रदर्शन के जरिए प्रशासन के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने की मांग की। राकेश सोलंकी ने बताया कि करीब एक माह पहले किसानों ने सरदारपुर में माही नदी पर जल सत्याग्रह किया था। उस दौरान शासन-प्रशासन की ओर से 66 गांवों की सूची जारी कर 10 से 15 दिनों के भीतर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। अधिकारियों के भरोसे किसानों ने खेतों में गेहूं की बुवाई कर दी, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी नहरों में पानी नहीं पहुंचा।

गर्मी में नहीं हुआ काम, अब किसान भुगत रहे खामियाजा-स्थानीय किसान अंकित जाट ने भी विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि विभाग किसानों को पानी उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं था, तो परियोजना का उद्घाटन ही नहीं करना चाहिए था। किसानों का आरोप है कि नहरों और पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य गर्मी के मौसम में ही पूरा कर लिया जाना चाहिए था, लेकिन समय पर काम नहीं होने के कारण अब किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

एसडीएम कार्यालय से हटाने पर जताई नाराजगी-किसान नेता ने बताया कि वे सरदारपुर एसडीएम कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना देने पहुंचे थे, लेकिन एसडीएम ने अनुमति नहीं होने का हवाला देते हुए उन्हें वहां से हटा दिया। इस पर उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि संविधान शांतिपूर्ण धरना और आंदोलन करने का अधिकार देता है। यदि किसान अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने नहीं रखेंगे, तो आखिर कहां जाएंगे। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर कलेक्टर की अनुपस्थिति को लेकर भी उन्होंने नाराजगी जताई।

सूखाग्रस्त घोषित कर मुआवजा देने की मांग-किसानों ने मांग की कि 66 गांवों के खेतों तक तत्काल सिंचाई का पानी पहुंचाया जाए। यदि तकनीकी कारणों से पानी देना संभव नहीं है, तो इन गांवों को सूखाग्रस्त घोषित कर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा पूरे धार जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने, किसानों को फसल बीमा और राहत राशि उपलब्ध कराने तथा नर्मदा सिंचाई परियोजना से वंचित गांवों को भी पाइपलाइन की सूची में शामिल करने की मांग उठाई गई।

जन विकास शिविर में बड़ी लापरवाही, महिला की तबीयत बिगड़ी तो नदारद मिली 108 और एंबुलेंस

मनावर से बसन्त ज़ख्मी,(इंदौर समाचार) धार जिले की मनावर तहसील के ग्राम सिंघाना में आज आयोजित जन विकास शिविर में स्वास्थ्य और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की गंभीर लापरवाही सामने आई। शिविर में धार जिला कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और डॉक्टर मौजूद थे। शिविर के दौरान रक्तदान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था, लेकिन इसी बीच अचानक एक महिला की तबीयत बिगड़ गई।



हैरानी की बात यह रही कि इतनी बड़ी प्रशासनिक मौजूदगी और स्वास्थ्य विभाग की टीम होने के बावजूद मौके पर आपातकालीन सेवा 108 और एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी। महिला की बिगड़ती हालत को देखते हुए तत्काल सिंघाना पुलिस चौकी को सूचना दी गई। इसके बाद चौकी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपने वाहन से महिला को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना ने जन विकास शिविर में स्वास्थ्य सुविधाओं और आपातकालीन व्यवस्थाओं की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जब जिला कलेक्टर सहित तमाम विभागों के अधिकारी और डॉक्टर एक ही स्थान पर मौजूद थे, तब ऐसी स्थिति में 108 एंबुलेंस का उपलब्ध नहीं होना आखिर किसकी जिम्मेदारी है? जन विकास शिविर जैसे बड़े आयोजन में जहां ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, वहीं आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस का नदारद रहना व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़ा करता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि महिला की तबीयत अधिक गंभीर होती और समय पर अस्पताल पहुंचाना जरूरी होता, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता? अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर लापरवाही को लेकर क्या संज्ञान लेता है और भविष्य में ऐसे आयोजनों में 108 एंबुलेंस सहित जरूरी आपातकालीन सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाता है।

धार कलेक्टर सहित तमाम विभागों के अधिकारी और डॉक्टर रहे मौजूद, लेकिन आपातकालीन स्थिति में नहीं मिली एंबुलेंस; सिंघाना चौकी पुलिस की गाड़ी से महिला को पहुंचाया अस्पताल

न्यायालय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी जिला इंदौर (म.प्र.)
(प्रशासनिक संकुल कक्ष क्र.– जी II)

क्रमांक/903/अकरी/2026 इंदौर दिनांक 16/11/2026
प्रकरण क्र.0289/ब–121/2026–27

पेपर विज्ञप्ति

प्रति
(1) श्री जितेश राठौर पिता मदनलाल राठौर।
(2) श्रीमती मितलेश पति जितेश राठौर।
पता:– 1 भूखंड क्र201 लवकुश अपार्टमेंट सेकंड फ्लोर भूखंड क्र 206 सिल्वर स्टार सिटी एक्सटेंशन 2 ग्राम निहलपुर मुण्डी तेहसील व जिला इंदौर (म.प्र.)।
पता नं. 2 भूखंड क्र 107 पलास परिसर सिलिकॉन सिटी इंदौर (म.प्र.)।
द्वारा:– पेपर प्रकाशन।

--00--

प्राधिकृत अधिकारी, मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में एस्पायर होम फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड) शाखा कार्यालय :– 319 तृतीय मंजिल शेखर सेंट्रल पलासिया इंदौर (म.प्र.) द्वारा आवेदन कर निवेदन किया गया हैं कि बंधक संपत्ति का पता 133 पर बकाया ऋण राशि का चुकारा आपके द्वारा नहीं किया गया और न ही प्रतिभूमि संपत्ति का कब्जा ही सौंपा गया हैं। अत: वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूतहित प्रवर्तन अधिनियम की धारा 14 में प्रतिभूमि के रूप में रखी संपत्ति का कब्जा दिलाया जावे।

अत: इस संबंध में एतद् द्वारा सूचित किया जाता हैं कि मामले की सुनवाई हेतु न्यायालय अपर कलेक्टर जिला इंदौर कक्ष क्रमांक जी–11 में दिनांक 30/11/2026 को दोपहर 03:00 बजे होगी। आप प्रकरण के संबंध में समस्त दस्तावेज व साक्ष्य सहित उपस्थित रहें। आपकी अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

मुहर
सही/–
अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला इंदौर (म.प्र.)

पृ.क्र./903(A)/अकरी/2026 इंदौर दिनांक 16/11/26